दिनांक २ मई २०१३ को पूर्वाह्न १०:३० बजे रिम्स, राँची में GENETIC CONLAVE के अवसर पर महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण

परामर्शी श्री के० विजय कुमार जी, राज्य के मुख्य सचिव श्री आर०एस० शर्मा, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य श्री के० विद्यासागर, प्रधान सचिव श्री एन०एन० सिन्हा, निदेशक, रिम्स डा० तुलसी महतो, डीन, चिकित्सकगण तथा स्टूडेंट्स।

आनुवांशिक रोगों पर आयोजित इस सभा में शिरकत करके मुझे खुशी हो रही है। एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय पर चर्चा हेतु इस तरह का आयोजन एक सराहनीय कार्य है। अब तक आम आदमी यही समझता आ रहा है कि हम अपने पूर्वज से अच्छे संस्कार, सम्मान एवं धन-दौलत ही पाते हैं, परंतु हमें यह भी समझना होगा कि हम मात्र धन-दौलत ही नहीं, कुछ बिमारियाँ भी विरासत में पाते हैं।

अब तक की समझ थी कि अच्छी खुराक, स्वस्थ वातावरण एवं साफ-सुथरा रहने से बिमारियों के संक्रमण से हम बचेंगे, परन्तु अब हमें यह जानना होगा कि हम कौन-कौन सी बिमारियाँ जन्मजात लेकर आये। बहुत सारी संक्रामक रोगों जैसे- कैंसर, H.I.V. AIDS इत्यादि पर नियंत्रण पाने के लिए आनुवांशिक प्रक्रियाओं को समझना पड़ेगा। मैंने यह सुना है कि हर व्यक्ति का जेनेटिक खाका तैयार किया जा रहा है, जिससे हम कौन-सी बिमारियों के शिकार हो सकते हैं, यह पता लगाया जा सकेगा। नई मेडिकल साइंस एवं

तकनीक आनुवांशिकी पर आधारित होगा और सभी को इसमें पारंगत होना होगा। मेरी समझ से रिम्स ने इस विषय पर एक नया विभाग जेनेटिक डीजिजेज एवं रिसर्च खोलकर लोक स्वास्थ्य की दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है। आशा है कि यह विभाग आनुवंशिक रूप से संबंधित रोगियों का उपचार करने में सार्थक सिद्ध होगा। आनुवांशिक बीमारी से ग्रसित लोगों की संख्या इस राज्य एवं इससे सटे राज्य उड़ीसा तथा छत्तीसगढ़ में काफी है। अत: जरूरत है कि इस विज्ञान के संबंध में आम आदमी को जानकारी दें, उन्हें जागरूक करें ताकि हमारी नई पीढ़ी किसी भी प्रकार की बिमारियों से मुक्त रहे क्योंकि हमारे बच्चे ही हमारे देश के कर्णधार हैं।

अस्पताल में भर्ती युवाओं/बच्चों में बहुत से आनुवांशिक रोग से ग्रसित रहते हैं। नवजात शिशु के Malformation एवं शिशु मृत्यु-दर का अधिकांश कारण आनुवांशिक रोग होता है। अत: परिवार के किसी एक सदस्य में आनुवांशिक बीमारी का प्रकट होना परिवार के अन्य सदस्यों के बीच एवं भविष्य में जन्म लेनेवाले बच्चों के लिए खतरा उत्पन्न कर देता है। साधारण सावधानियाँ एवं जागरूकता से असाध्य रोगों पर नियंत्रण अथवा उनसे बचाव संभव है, यह कार्य लोगों तक सही व सटीक जानकारी पहुँचाकर ही किया जा सकता है।

वैसे भी कहा गया है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। . वर्त्तमान शासन लोगों के स्वास्थ्य के प्रति अत्यन्त गंभीर है। स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु व्यापक पैमाने पर कार्य किये जा

रहे हैं। जैसा कि पहले भी मेरे द्वारा कहा जा चुका है कोई भी पदाधिकारी/कर्मी अपने कार्य व दायित्व के प्रति शिथिलता बरते, मुझे यह कतई पसन्द नहीं। अपने कार्य में लापरवाही बरतनेवालों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। अस्पताल/स्वास्थ्य केन्द्रों और मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर/नर्स मौजूद रहे तथा वहाँ जरूरी दवा उपलब्ध रहे, इसे सुनिश्चित करने हेतु पूर्व में भी कहा गया है। राज्यवासियों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें मुहैया कराना हमारा मकसद है।

मुझे पूर्ण उम्मीद है कि इस विभाग के खुलने से राज्य में आनुवांशिक बिमारियों पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!